SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal
"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Industrial Designer

इंडस्ट्रियल डिज़ाइनर वह पेशेवर होता है जो बड़े पैमाने पर बनने वाले (मास-प्रोड्यूस्ड) उत्पादों — जैसे घरेलू उपकरण, गाड़ियाँ, फर्नीचर, घड़ियाँ, मोबाइल, औज़ार और मशीनें — का रूप, उपयोगिता और निर्माण-योग्यता एक साथ डिज़ाइन करता है।...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/industrial-designer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)
www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

इंडस्ट्रियल डिज़ाइनर वह पेशेवर होता है जो बड़े पैमाने पर बनने वाले (मास-प्रोड्यूस्ड) उत्पादों — जैसे घरेलू उपकरण, गाड़ियाँ, फर्नीचर, घड़ियाँ, मोबाइल, औज़ार और मशीनें — का रूप, उपयोगिता और निर्माण-योग्यता एक साथ डिज़ाइन करता है। वह उपयोगकर्ता की ज़रूरत को समझकर स्केच बनाता है, 3डी सीएडी मॉडल तैयार करता है, प्रोटोटाइप बनाकर परखता है और यह सुनिश्चित करता है कि उत्पाद सुंदर होने के साथ-साथ फैक्ट्री में किफ़ायती ढंग से बन सके। यह करियर कला, इंजीनियरिंग और मानव-केंद्रित सोच का संगम है, जिसमें रचनात्मकता के साथ तकनीकी समझ भी ज़रूरी है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	12वीं पास + बी.डेस./बी.टेक (डिज़ाइन); एम.डेस श्रेष्ठ
प्रवेश परीक्षा	UCEED (B.Des), CEED (M.Des), NID DAT
आरंभिक वेतन	₹20,000–35,000/माह
कार्य-शैली	डिज़ाइन स्टूडियो/मैन्युफैक्चरिंग कंपनी में पूर्णकालिक

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- उत्पादों को खोलकर यह समझने का शौक कि वे कैसे बनते और काम करते हैं
- लोगों की रोज़मर्रा की समस्याओं को बेहतर उत्पादों से हल करने की चाह
- स्केचिंग, डिज़ाइन और नई चीज़ें बनाने में गहरी रुचि

क्षमताएँ

- रचनात्मक कल्पना और त्रि-आयामी (3डी) रूप की समझ
- समस्या-समाधान और तार्किक-तकनीकी सोच
- बारीकी, अनुपात और सौंदर्य पर ध्यान

ज़रूरी कौशल

- हाथ से स्केचिंग और आइडिया-विज़ुअलाइज़ेशन
- सीएडी सॉफ्टवेयर (SolidWorks, Rhino, Fusion 360, Keyshot) में 3डी मॉडलिंग व रेंडरिंग

- प्रोटोटाइपिंग, मॉडल-मेकिंग और 3डी प्रिंटिंग
- मानव-केंद्रित (यूज़र-सेंटर्ड) डिज़ाइन और एर्गोनॉमिक्स
- टीम-वर्क, प्रस्तुतिकरण और डिज़ाइन को इंजीनियरिंग के साथ जोड़ना
- सामग्री और निर्माण प्रक्रियाओं (प्लास्टिक, धातु, मोल्डिंग) का ज्ञान
- डिज़ाइन रिसर्च, यूज़र-टेस्टिंग और कॉन्सेप्ट का मूल्यांकन

4 कैसे पहुँचें

1. 12वीं (किसी भी स्ट्रीम, गणित/विज्ञान लाभप्रद) अच्छे अंकों से पूरी करें और स्केचिंग व अवलोकन का अभ्यास शुरू करें।
2. UCEED (IIT बॉम्बे) या NID DAT परीक्षा की तैयारी करें और चार-वर्षीय बी.डेस (इंडस्ट्रियल/प्रोडक्ट डिज़ाइन) में प्रवेश लें।
3. पढ़ाई के दौरान एक मज़बूत पोर्टफोलियो बनाएं — स्केच, सीएडी मॉडल, प्रोटोटाइप और प्रोजेक्ट।
4. डिज़ाइन स्टूडियो या मैन्युफैक्चरिंग कंपनी में इंटर्नशिप करके व्यावहारिक अनुभव लें।
5. विशेषज्ञता के लिए CEED देकर एम.डेस (इंडस्ट्रियल डिज़ाइन) कर सकते हैं और वरिष्ठ भूमिकाओं की ओर बढ़ें।
6. अनुभव के साथ जूनियर डिज़ाइनर से इंडस्ट्रियल डिज़ाइनर, फिर सीनियर/लीड और डिज़ाइन हेड तक तरक्की करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- UCEED — बी.डेस प्रवेश के लिए (IIT बॉम्बे, जोधपुर, गुवाहाटी, दिल्ली, हैदराबाद)
- NID DAT — नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिज़ाइन की प्रवेश परीक्षा
- CEED — एम.डेस प्रवेश के लिए (IIT व IISc)

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- IIT जोधपुर – स्कूल ऑफ डिज़ाइन (B.Des/M.Des) — जोधपुर, राजस्थान (https://iitj.ac.in/school-of-design)
- मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT) जयपुर — जयपुर, राजस्थान (https://mnit.ac.in/)
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिज़ाइन (NID) — अहमदाबाद, गुजरात (https://www.nid.ac.in/)
- IDC स्कूल ऑफ डिज़ाइन, IIT बॉम्बे — मुंबई, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

- MIT इंस्टिट्यूट ऑफ डिज़ाइन (MIT-ID) — पुणे, महाराष्ट्र (https://mitid.edu.in/)
- अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी – डिज़ाइन — अहमदाबाद, गुजरात (https://anu.edu.in/)
- पर्ल एकेडमी — जयपुर, राजस्थान (https://www.pearlacademy.com/)

ऑनलाइन

- NPTEL – प्रोडक्ट व इंडस्ट्रियल डिज़ाइन कोर्स — ऑनलाइन (https://nptel.ac.in/)
- Coursera – Product & Industrial Design — ऑनलाइन (https://www.coursera.org/courses?query=industrial%20design)

फ़ीस

सरकारी संस्थानों (IIT जोधपुर/बॉम्बे, NID) में बी.डेस/एम.डेस की फीस लगभग ₹1.5–3 लाख प्रति वर्ष होती है, जबकि निजी डिज़ाइन संस्थानों (MIT-ID, पर्ल, अनंत) में यह ₹3–6 लाख प्रति वर्ष तक हो सकती है। आर्थिक रूप से कमज़ोर छात्रों के लिए फीस-छूट, शिक्षा-ऋण और छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध हैं।

छात्रवृत्तियाँ

- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- NID Merit-cum-Means & Freeship
- Buddy4Study – Design Scholarships (https://www.buddy4study.com/scholarships/design-scholarship)
- SJE Rajasthan Scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

डिज़ाइन स्टूडियो व कंसल्टेंसी, ऑटोमोबाइल व दोपहिया कंपनियाँ, घरेलू उपकरण व उपभोक्ता-उत्पाद निर्माता, घड़ी व इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, फर्नीचर कंपनियाँ और स्टार्टअप।

कार्य-संस्कृति

आमतौर पर सप्ताह में 5-6 दिन, दिन में 8-9 घंटे काम; प्रोजेक्ट की डेडलाइन के समय अतिरिक्त घंटे भी लगते हैं। काम स्टूडियो, कंप्यूटर (सीएडी) और वर्कशॉप/फैक्ट्री के बीच बँटा होता है, जहाँ इंजीनियरों व मार्केटिंग टीम के साथ मिलकर काम करना पड़ता है।

कौन नौकरी देता है

- टाटा एल्क्सी (Tata Elxsi) और अन्य डिज़ाइन-इंजीनियरिंग सेवा कंपनियाँ
- टाइटन, टाटा मोटर्स, महिंद्रा, बजाज व हीरो जैसी ऑटो व उपभोक्ता-उत्पाद कंपनियाँ
- गोदरेज, LG, सैमसंग, व्हर्लपूल जैसी घरेलू उपकरण कंपनियाँ
- फोली डिज़ाइन्स, ओनियो, एलिफेंट व लोपेज़ जैसी डिज़ाइन कंसल्टेंसी
- फर्नीचर व लाइटिंग निर्माता (गोदरेज इंटीरियो, फीदरलाइट आदि)
- उत्पाद-आधारित स्टार्टअप और अपना डिज़ाइन-उद्यमशीलता (फ्रीलांस/स्टूडियो)

माँग (2026)

‘मेक इन इंडिया’ और घरेलू विनिर्माण के विस्तार के साथ भारत में अच्छे इंडस्ट्रियल डिज़ाइनरों की माँग तेज़ी से बढ़ रही है। इलेक्ट्रिक वाहन, स्मार्ट घरेलू उपकरण, मेडिकल डिवाइस और उपभोक्ता-इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में कुशल डिज़ाइनरों के लिए बेहतर अवसर हैं, हालाँकि इस क्षेत्र में प्रवेश प्रतिस्पर्धी है और अच्छा पोर्टफोलियो ज़रूरी है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. जूनियर / असोसिएट डिज़ाइनर
2. इंडस्ट्रियल डिज़ाइनर
3. सीनियर / लीड डिज़ाइनर
4. डिज़ाइन हेड / डिज़ाइन डायरेक्टर

कमाई

शुरुआत	₹20,000–35,000/माह
मध्य स्तर	₹50,000–80,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹1,25,000–1,75,000+/माह

2026 के अनुमानों के अनुसार शुरुआती इंडस्ट्रियल डिज़ाइनर लगभग ₹2.4–3.5 लाख प्रति वर्ष (₹20,000–35,000/माह) कमाते हैं; 4–9 वर्ष के अनुभव पर यह ₹6–7 लाख प्रति वर्ष और वरिष्ठ स्तर पर ₹15–20 लाख प्रति वर्ष से अधिक पहुँच सकता है। बेंगलुरु व पुणे जैसे बड़े शहरों तथा ऑटो/उपभोक्ता-उत्पाद कंपनियों में वेतन औसत से अधिक होता है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- रचनात्मकता और तकनीक दोनों का उपयोग करने वाला संतोषजनक करियर
- अपने डिज़ाइन किए उत्पादों को लाखों लोगों द्वारा इस्तेमाल होते देखना
- बढ़ते विनिर्माण व स्टार्टअप क्षेत्र में विविध अवसर और अच्छी आय

चुनौतियाँ

- अच्छे संस्थानों में प्रवेश (UCEED/NID DAT) कठिन और प्रतिस्पर्धी है
- प्रोजेक्ट डेडलाइन और क्लाइंट की माँगों का दबाव
- शुरुआती वर्षों में पहचान बनाने और अच्छे पद तक पहुँचने में समय लगता है

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Michael Foley
संस्थापक, फोली डिज़ाइन्स; पूर्व हेड ऑफ डिज़ाइन, टाइटन

माइकल फोली ने 1994 में अहमदाबाद के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिज़ाइन (NID) से पढ़ाई पूरी की और टाइटन कंपनी में शामिल हो गए, जहाँ बारह वर्षों में उन्होंने टाइटन 'एज' और 'फास्ट्ट्रैक' जैसी लोकप्रिय घड़ियाँ डिज़ाइन कीं। 2006 में उन्होंने बेंगलुरु में अपना स्वतंत्र स्टूडियो 'फोली डिज़ाइन्स' शुरू किया और हिंदुस्तान यूनिलीवर के वॉटर प्यूरीफायर, गोदरेज, माइक्रोसॉफ्ट, HP जैसे ब्रांडों के उत्पादों तथा 2010 दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स की बैटन जैसे प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट डिज़ाइन किए। उनकी कहानी दिखाती है कि एक इंडस्ट्रियल डिज़ाइनर घड़ियों से लेकर उपकरणों तक हर उत्पाद को नया रूप दे सकता है।

Forbes India · https://www.forbesindia.com/article/work/the-sense-and-sensibilities-of-michael-foley/38739/1

Poonam Bir Kasturi
इंडस्ट्रियल डिज़ाइनर व संस्थापक, डेली डम्प

पूनम बिर कस्तूरी ने 1984 में अहमदाबाद के NID से इंडस्ट्रियल डिज़ाइन में प्रशिक्षण लिया और बेंगलुरु के सृष्टि इंस्टिट्यूट ऑफ आर्ट, डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी की संस्थापक फैकल्टी में से एक रहीं। 2006 में उन्होंने 'डेली डम्प' शुरू किया, जिसका मुख्य उत्पाद घर पर खाद बनाने वाला टेराकोटा (मिट्टी) का कम्पोस्टर है — एक ऐसा उत्पाद जो अब 17 भारतीय शहरों के साथ अमेरिका और दुबई तक पहुँच चुका है। उन्होंने कहा कि उन्होंने 'घरेलू कम्पोस्टिंग का बाज़ार अकेले खड़ा किया।' उनकी कहानी बताती है कि इंडस्ट्रियल डिज़ाइन से रोज़मर्रा की समस्याओं का सुंदर, टिकाऊ हल बनाया जा सकता है।

The Better India · https://thebetterindia.com/174395/bengaluru-daily-dump-waste-composting-poonam-kasturi/

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- डिज़ाइन इंजीनियर
- उत्पाद डिज़ाइनर
- वेब डिज़ाइनर

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – इंडस्ट्रियल डिज़ाइनर — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%87%e0%a4%82%e0%a4%a1%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%9f%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%b2-%e0%a4%a1%e0%a4%bf%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%87%e0%a4%a8%e0%a4%b0industrial-designer/

2. UCEED 2026 – IIT बॉम्बे — https://www.uceed.iitb.ac.in/

3. CEED 2026 – IIT बॉम्बे — https://www.ceed.iitb.ac.in/

4. नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिज़ाइन (NID) — https://www.nid.ac.in/

5. इंडस्ट्रियल डिज़ाइनर सैलरी इन इंडिया 2026 — https://www.pw.live/design-architecture/exams/industrial-design-salary

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in